egkRek xk/kh vrjjk"Vh; fgnh fo'ofo|ky;] o/kk ¼egkjk"V½
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित **केंद्रीय विश्वविद्यालय**)
Mahatama Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(**A Central University** Established by Parliament by Act No.3 of 1997)

10 जनवरी 1975 के प्रथम विश्व हिंदी सम्मलेन की याद में मनाया जाता है
विश्व हिंदी दिवस : राजेन्द्र प्रसाद मिश्र

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी को मनाये जाने वाले **विश्व हिंदी दिवस की पूर्व संध्या** पर दिनांक 8 जनवरी-2019 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन दोपहर 12 बजे से किया गया | कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता विश्व हिंदी सचिवालय के पूर्व महासचिव तथा महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र थे | व्याख्यान का विषय **विश्व हिंदी दिवस** था | कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र ने दीप प्रज्ज्वलित कर माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात केंद्र की प्रभारी डॉ. विधु खरे दास एवं स. निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी ,अनुभाग अधिकारी डॉ. शम्भूदत्त सती,केंद्र के सभी शिक्षकों ने भी दीप प्रज्ज्वलित कर माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया | मुख्य अतिथि के स्वागत के क्रम में अनुभाग अधिकारी श्री शम्भूदत्त सती ने डॉ. मिश्र जी को सूत की माला पहनाई उसके बाद केंद्र प्रभारी डॉ. विधु खरे दास एवं डॉ.प्रकाश त्रिपाठी ने डॉ. मिश्र को पुष्पगुच्छ भेंटकर तथा अंगवस्त्रम पहनाकर उनका स्वागत किया | अतिथियों का स्वागत डॉ. विधु खरे दास ने किया | अपने वक्तब्य में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि 10 जनवरी को हम विश्व हिंदी दिवस इसलिए मनाते हैं कि 10 से 14 जनवरी सन 1975 को पहला विश्व हिंदी सम्मलेन नागपुर में हुआ था | इस सम्मलेन की परिकल्पना राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा ने की थी | हिंदी के प्रचार-प्रसार और समृद्धि के लिये यह आयोजन शुरू किया गया | इस आयोजन के मुख्य अतिथि मारीशस के राष्ट्रपति सर शिव सागर रामगुलाम जी थे |इन्ही सबके चलते आगे मारीशस में विश्व हिंदी सचिवालय की स्थापना भी हुई | डॉ. मिश्र ने **हिंदी दिवस** और **विश्व हिंदी दिवस** में अंतर भी बताया | डॉ.राजेन्द्र प्रसाद मिश्र ने केंद्र के शिक्षकों ,विद्यार्थियों को **'हिंदी वर्तनी और अनुवाद'** के बारे में विधिवत समझाया और सही हिंदी लिखने का सही तरीका बताया |

व्याख्यान के बाद इलाहाबाद केंद्र की अतिथि **शिक्षिका डॉ. ऋचा द्वेदी की आलोचनात्मक पुस्तक हिंदी निबंध : इतिहास और विकास का लोकार्पण कर उन्हें शुभकामनाएं दीं** | कार्यक्रम में,डॉ. ऋचा द्वेदी ,डॉ.सपना सिंह ,डॉ. नरेंद्र दिवाकर ,डॉ सत्येन्द्र कुमार ,डॉ. कमलेश यादव ,जयेंद्र जैसवाल , डॉ.ई.वी.सूर्या श्री प्रमोद कुमार तिवारी ,राहुल त्रिपाठी ,श्री शम्भूदत्त सती,सुश्री रश्मि , राजेश अहिरवार, असगर अली, रुचि गुप्ता, पंकज पाण्डेय,वैशाली कृष्ण मोहन, सद्दाम हुसैन, शिवम् सिंह ,ज्योति सिंह ,मदन मोहन, विद्योत्मा द्विवेदी,अंकित सिंह यादव, विजेंद्र, असगर अली, विजय लाल कन्नौजिया अंकित सिंह यादव, विजेंद्र, कोमल, देवमूर्ति द्वेदी ,आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे । **कार्यक्रम का संचालन केंद्र के स. निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कमलेश कुमार यादव ने किया** |

{k=h; dsUnz
24/28–सरोजनी नायडू मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद–211001, उ.प्र . भारत
फोन एवं फैक्स : 0532–2424442, मो. 09415763046 ईमेलः ard.mgahv@gmail.com वेबसाइट : hindivishwa.org

मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र जी दीप प्रज्ज्वलित कर माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये

मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र जी को अंगवस्त्रम भेंट करती केंद्र प्रभारी डॉ. विधु खरे दास व डॉ. प्रकाश त्रिपाठी

मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र जी को पुष्पगुच्छ भेंट करती केंद्र प्रभारी डॉ. विधु खरे दास व शम्भूदत्त सती

मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र जी का स्वागत एवं परिचय देते स. निदेशक डॉ.प्रकाश त्रिपाठी

मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र जी विश्व हिंदी दिवस पर वक्तव्य देते हुये

कार्यक्रम में उपस्थित श्रोतागण एवं शिक्षक

शिक्षिका डॉ. ऋचा द्वेदी की आलोचनात्मक पुस्तक हिंदी निबंध : इतिहास और विकास का लोकार्पण का लोकार्पण करते कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र |